SUNDAY | 29.10.2023 | उत्तर प्रदेश

अमर उजाला

बरेली

PAGE NO : 08 BOTTOM

क्लीनिकल प्रैक्टिस और ग्लोबल फोरम जरूरी : डॉ. ज्योतिर्मय

यूपी एपिकॉन कॉन्फ्रेंस में स्मारिका का विमोचन करते चिकित्सक। अमर उजाला

अमर उजाला ब्यूरो

बरेली। आधुनिक चिकित्सा पद्धति अपनाकर मरीजों को बेहतर इलाज मुहैया कराने के लिए क्लीनिकल प्रैक्टिस बेहद जरूरी है। वहीं, वर्तमान परिस्थितियों में जनहित की पॉलिसी बनाने के लिए ग्लोबल फोरम बनाना होगा। यह सुझाव यूपी एपिकॉन में डॉ. ज्योतिर्मय पाल ने दिए।

शनिवार को एसआरएमएस में एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया की 40वीं वार्षिक कॉन्फ्रेंस यूपी एपिकॉन आयोजित हुई। यूपीएपीआई के नवनिर्वाचित चेयरमैन डॉ. सेवल चक्रवर्ती को डॉ. एससी चौधरी ने पदभार सौंपा। मुरादाबाद के डॉ. डीपी मनचंदा और

डॉ. डीपी मनचंदा और डॉ. एचबी गुप्ता हुए सम्मानित

डॉ. एचबी गुप्ता समेत यूपीएपीआई के पूर्व चेयरमैन डॉ. संजय टंडन, पूर्व सचिव डॉ. मीनाक्षी जैन, डॉ. एके शुक्ला, डॉ. ऋचा गिरि, डॉ. एसके गौतम को सम्मानित किया गया। ऑर्गनाइजिंग चेयरमैन डॉ. एमपी राकेल ने सोविनियर रिलीज समेत राजेंद्र प्रसाद की किताब मैनुअल ऑफ चेस्ट एक्सरे के विमोचन की जानकारी दी।

साइंटिफिक चेयरमैन डॉ. केके सावलानी ने सभी मेडिकल कॉलेजों में लाइब्रेरी की स्थापना पर जोर दिया। ट्रस्ट के चेयरमैन देवमूर्ति, डायरेक्टर आदित्य मूर्ति समेत अन्य मौजूद रहे।

रविवासरीय हिन्दुस्तान

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

PAGE NO : 04 TOP

कांफ्रेंस: एसआरएमएस मेडिकल कालेज में 9 बजे दो दिवसीय एपीआई यूपी चैप्टर के 40वें वार्षिक कांफ्रेंस का आयोजन किया गया है।